NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Webinar on Value Addition in Waste Management organized at CUH

News Paper: Dainik Jagran Date: 16-01-2022

अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में संभावनाओं को समझें

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: बढ़ती हुई से इस दिशा में विशेष प्रयास किए जा जनसंख्या हो या औद्योगिकीकरण रहे हैं। कार्यक्रम की शुरुआत में सेंटर का प्रभाव हो, आज के समय में जल, फोर इनोवेशन एवं इन्क्यबेशन की वायु, भूमि सभी जगह विभिन्न प्रकार संयोजिका प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्व

रहा है। ऐसे में अपशिष्ट की इस समस्या का निदान करने के लिए विज्ञान व तकनीकी के सहयोग से अपशिष्ट प्रबंधन के मोर्चे पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । अपशिष्ट जहां हमारे समक्ष एक चुनौती है, वहीं प्रो.टंकेश्वर कुमार • विश्वविद्यालय में विभागीय इसका उचित प्रबंधन हमें

अपार संभावनाओं भी उपलब्ध नई आइंडियाज पर काम करने के कराता है। यह संभावनाएं आत्मनिर्भर हिए प्रेरित किया। भारत के निर्माण में मददगार है। अब कि स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम आर्या ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

के प्रदूषण का प्रभाव देखने को मिल ने कहा कि माननीय कुलपति के

मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय स्तर पर निरंतर नए आइंडियाज को विकसित करने दिशा में प्रयास जारी है और इस काम में सेंटर हर प्रकार से सहयोग के लिए तत्पर है। उन्होंने स्तर पर भी विद्यार्थियों को

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता समय आ गया है कि इस समस्या को के रूप उपस्थित हिमाचल प्रदेश भविष्य की सोच के साथ निदान की केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला ओर ले जाया जाए और इस कार्य के प्रोफेसर दीपक पंत ने अपशिष्ट में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण प्रबंधन से जुड़े पहलुओं पर प्रकाश है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय डाला। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर में किस प्रकार से देश, समाज व टंकेश्वर कुमार ने सेंटर फोर इनोवेशन विश्व कल्याण के हित में कार्य एंड इन्क्युबेशन व आजादी का अमृत किया जा सकता है। विश्वविद्यालय महोत्सव अभियान के अंतर्गत की कुलसचिव और आजादी का आयोजित वेबिनार को संबोधित करते अमृत महोत्सव अभियान की नोडल हुए व्यक्त किए। कुलपति ने कहा कि आफिसर प्रोफेसर सारिका शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिखाए गए सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यबेशन आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करने के लिए आवश्यक है कि युवा की। सेंटर के सदस्य प्रोफेसर पवन पीढ़ी नई वैज्ञानिक सोच के साथ मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में उपलब्ध इस आयोजन में केंद्र के डा.अनूप संभावनाओं को समझे। उन्होंने कहा यादव, सुनील अग्रवाल, डा. सुरज



NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Rastriya Khabar Date: 16-01-2022

अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में आत्मनिर्मर बनने की अपार संभावनाएं : प्रो. टंकेश्वर

हकेवि में विशेषज्ञ वेबिनार का हुआ आयोजन

चंडीगढ़। बढ़ती हुई जनसंख्या हो या औद्योगिकरण का प्रभाव हो, आज के समय में जल, वायु, भूमि सभी जगह विभिन्न प्रकार के प्रदूषण का प्रभाव देखने को मिल रहा है। ऐसे में अपशिष्ट की इस समस्या का निदान करने के लिए विज्ञान व तकनीकी के सहयोग से अपशिष्ट प्रबंधन के मोर्चे पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

अपशिष्ट जहां हमारे समक्ष एक चुनौती है, वहीं इसका उचित प्रबंधन हमें अपार संभावनाओं भी उपलब्ध कराता है यह संभावनाएं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में मददगार है। अब समय आ गया है कि इस समस्या को भविष्य की सोच के साथ निदान की ओर ले जाया जाए और इस कार्य में यवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। यह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंदगढ के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन व आजादी का अमत महोत्सव अभियान के अंतर्गत



आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हए व्यक्त किए। कार्यक्रम की शरुआत में सेंटर फोर इनोवेशन एवं इन्क्युबेशन की संयोजिका प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्व ने कहा कि कुलपति के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय स्तर पर निरंतर नए आइडियाज को विकसित करने दिशा में प्रयास जारी है और इस काम में सेंटर हर प्रकार से सहयोग के लिए तत्पर है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव और आजादी का अमत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रोफेसर सारिका शर्मा ने सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Dainik Bhaskar Date: 16-01-2022

हकेवि में अपशिष्ट प्रबंधन में गुणवत्ता विषय पर वेबिनार का आयोजन

शिष्ट प्रबंधन में आत्मनिर्भर बनने की अपार

भारकर न्युज महेंद्रगढ

बढ़ती हुई जनसंख्या हो या औद्योगिकरण का प्रभाव हो, आज के समय में जल, वाय, भूमि सभी जगह विभिन्न प्रकार के प्रदुषण का प्रभाव देखने को मिल रहा है। ऐसे में अपशिष्ट की इस समस्या का निदान करने के लिए विज्ञान व तकनीकी के सहयोग से अपशिष्ट प्रबंधन के मोर्चे पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। अपशिष्ट जहां हमारे समक्ष एक चुनौती है, वहीं इसका उचित प्रबंधन हमें अपार संभावनाओं को भी उपलब्ध कराता है यह संभावनाएं

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में संबोधित करते हुए कुलपति ने मददगार है। अब समय आ गया कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा श्रीवास्तव ने विश्वविद्यालय में है कि इस समस्या को भविष्य की सोच के साथ निदान की ओर ले जाया जाए और इस कार्य में यवाओं की भूमिका मह्त्वपुर्ण है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ के कलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्कयुबेशन व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

अपशिष्ट प्रबंधन में गणवत्ता विषय पर केंद्रित इस वेबिनार को दिखाए गए आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए आवश्यक है कि युवा पीढ़ी नई वैज्ञानिक सोच के साथ अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं को समझे। कार्यक्रम की शुरुआत में सेंटर फोर इनोवेशन एवं इन्कयुबेशन की संयोजिका प्रोफेसर सनीता श्रीवास्तव ने कहा कि कुलपति के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय स्तर पर निरंतर नए आइंडियाज को विकसित करने दिशा में प्रयास जारी है और इस

के लिए तत्पर है। प्रो. सनीता विभागीय स्तर पर भी विद्यार्थियों को नई आइडियाज पर काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि सभी अपशिष्ट प्रबंधन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। कार्यक्रम के अंत में सेंटर के सदस्य प्रोफेसर पवन मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और इस आयोजन में केंद्र के डॉ. अनुप यादव, श्री सुनील अग्रवाल, डॉ. सुरज आयां ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विधार्थी और काम में सेंटर हर प्रकार से सहयोग शोधार्थी उपस्थित रहे।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Haribhoomi Date: 16-01-2022

हकेंवि में हुआ विशेषज्ञ वेबिनार का आयोजन

 अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में आत्मिनभर बनने की अपार संभावनाएं: प्रो . टंकेश्वर

हरिभूमि न्यूज 🕪 महेंद्रगढ़

बढ़ती हुई जनसंख्या हो या औद्योगिकरण का प्रभाव हो, आज के समय में जल, वायु, भूमि सभी जगह विभिन्नर प्रकार के प्रदूषण का प्रभाव देखने को मिल रहा है। ऐसे में अपशिष्ट की इस समस्या का निदान करने के लिए विज्ञान व तकनीकी के सहयोग से अपशिष्ट प्रबंधन के मोर्चे पर विशेष ध्योन देने की आवश्यसकता है। अपशिष्ट जहां हमारे समक्ष एक चुनौती है, वहीं इसका उचित प्रबंधन हमें अपार संभावनाओं भी उपलब्धह कराता है यह संभावनाएं आत्मंनिर्भर भारत के निर्माण में मददगार है।

अब समय आ गया है कि इस समस्या को भविष्य की सोच के साथ निदान की ओर ले जाया जाए और इस कार्य में युवाओं की भूमिका महत्वकपूर्ण है। यह विचार हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सेंटर फोर इनोवेशन एंड इंयूल बेशन व आजादी का अमृत महोत्सकव अभियान के अंतर्गत आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यनक्ता किए। अपशिष्ट प्रबंधन में गुणवत्ता विषय पर केंद्रित इस वेबिनार को संबोधित करते हुए



महेंद्रगढ़। वेबिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार।

कुलपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिखाए गए आत्म निर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए आवश्यरक है कि युवा पीढ़ी नई वैज्ञानिक सोच के साथ अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं को समझे। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से इस दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम की शरूआत में सेंटर फोर इनोवेशन एवं इंयुल बेशन की संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्व ने कहा कि माननीय कलपति के मार्गदर्शन में विवि स्तर पर निरंतर नए आइडियाज को विकसित करने दिशा में प्रयास जारी है और इस काम में सेंटर हर प्रकार से सहयोग के लिए तत्पर है।

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Dainik Jyoti Darpan Date: 16-01-2022

अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में है आत्मनिर्भर बनने की अपार संभावनाएं-प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार

बढ़ती हुई जनसंख्रया हो या औद्योगिकरण का प्रभाव हो, आज के समय में जल, वायु, भूमि सभी जगह विभिन्?न प्रकार के प्रदुषण का प्रभाव देखने को मिल रहा है। ऐसे में अपशिष्?ट की इस समस्?या का निदान करने के लिए विज्ञान व तकनीकी के सहवोग से अपशिष्ट्र प्रबंधन के मोर्चे पर विशेष ध्रयान देने की आवश्यकता है। अपशिष्?ट जहां हमारे समक्ष एक चुनौतो है, वहीं इसका उचित प्रबंधन हमें अपार संभावनाओं भी उपलब्?ध कराता है वह संभावनाएं आत्?मनिर्भर भारत के निर्माण में मददगार है। अब समय आ गया है कि इस समस्/वा को भविष्?य को सोच के साथ निदान की ओर ले जाया जाए और इस कार्य में युवाओं की भूमिका महत्?वपूर्ण है। यह विचार हिरियाणा केंद्रीय विश्?वविद्यालय (हकेवि), महेंदगढ आयोजित वेबिनार को संबोधित फोर इनोवेशन एवं इन्?ब्?युबेशन की करते हुए ठ?यक?त किए।

अपशिष्ट प्रबंधन में गुणवत्ता संबोधित करते हुए कलपति ने कहा निरंतर नए आइडियाज को विकसित प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि शोधार्यी उपस्थित रहें।

दिखाए गए आत्?मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए

नारनील, राजेश राज गोयल। कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा करने दिशा में प्रयास जारी है और इस काम में सेंटर हर प्रकार से सहयोग के लिए तत्?पर है। प्रो सुनीता



वैज्ञानिक सोच के साथ अपशिष्ट संयोजिका प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्व ने कहा कि माननीय कुलपति के

आवर?यक है कि युवा पीढ़ी नई श्रीवास?तव ने विश्वविद्यालय में विभागीय स्तर पर भी विद्यार्थियों को प्रबंधन के क्षेत्र में उपलब्?ध नई आईडियाज पर काम करने के के कुलपति प्रोफेसर टेकेश्टवर कुमार संभावनाओं को समझे । उन्होंने कहा लिए प्रेरित किया । उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के अंत में सेंटर के ने सेंटर फोर इनोवेशन एंड कि स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम सेंटर के माध्यम से भी ऐसे सभी नए सदस्टय प्रोफेसर पवन मीर्य ने इन्?क्?युबेशन व आजादी का अमृत से इस दिशा में विशेष प्रयास किए जा आइडियाज को विकसित करने में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और इस महोत्?स्वे अभियान के अंतर्गत रहे हैं। कार्यक्रम की शुरुआत में सेंटर सहयोग किया जाएगा। कार्यक्रम में आयोजन में केंद्र के डॉ.अनुप बादव, विशेषज्ञ वक्ता के रूप उपस्थित हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला के प्रोफेसर दीपक पंत ने विषय पर केंद्रित इस वेबिनार को मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय स्तर पर अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े पहलुओं पर विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विधार्थी और

किस तरह से प्लास्टिक अपशिष्ट की समस्या विकराल रूप धारण करती जा रही है और उसका किस प्रकार योजनाबद्ध ढंग से निदान संभव है। प्रोफेसर पंत ने अपने संबोधन में अपशिष्ट की समस्या और तसके प्रबंधन के उपाय और उसमें उपलब्ध रोजगार की संभावनाओं से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्?होंने बताया कि इस क्षेत्र में किस प्रकार से देश, समाज व विश?व कल्?याण के हित में कार्य किया जा

विश्वविद्यालय को कुलसचिव और आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रोफेसर सारिका शर्मा ने सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्?क?यूबेशन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों से अवगत कराया। श्री सुनील अग्रवाल, डॉ. सूरज आयां ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की । कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

News Paper: Amar Ujala Date: 16-01-2022

अपशिष्ट प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अपशिष्ट जहां हमारे समक्ष एक चुनौती है, (हकेंविवि) में सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत वेबिनार का आयोजन किया गया।

इसमें कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि बढ़ती हुई जनसंख्या हो या औद्योगीकरण का प्रभाव, आज के समय में जल, वाय, भूमि सभी जगह विभिन्न नई वैज्ञानिक सोच के साथ अपशिष्ट प्रकार के प्रदुषण का प्रभाव देखने को मिल रहा है। विज्ञान व तकनीकी के को समझे।कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के सहयोग से अपशिष्ट प्रबंधन के मोर्चे पर विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी और विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। शोधार्थी उपस्थित रहे। संवाद

वहीं इसका उचित प्रबंधन हमें अपार संभावनाओं भी उपलब्ध कराता है। यह संभावनाएं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में मददगार है। कुलपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिखाए गए आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए आवश्यक है कि युवा पीढ़ी प्रबंधन के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं